

Smt. Saba Anjum

Smt. Saba Anjum is a well known women hockey player. She was captain of Indian Women's Hockey team in year 2011. Presently, she is Deputy Superintendent of Police under Chhattisgarh State Government.

2. Born on June 12, 1985, at Durg (Chhattisgarh), Smt. Anjum studied up to 12th class, after that she could not continue studies due to her dedication to hockey. She started playing hockey at the age of nine years. While playing from her school team in state level tournaments and national level Nehru Cup, she performed exceptionally well and got selected in Indian Women Hockey Team at the age of 15 years only.

3. Smt. Anjum's performance has been phenomenal in National Team as well. In the first Girls U-18 AHF Cup at Hong Kong (China) in year 2000, Indian team won the Gold Medal. She performed well in 17th Commonwealth games at Manchester and Women's Asia Cup at Delhi in the year 2004.In both the events, India won Gold Medal. Silver Medal in 18th Commonwealth Games (2006), Bronze Medal in 15th Asian Games, Silver Medal in 7th Women's Asia Cup and Gold Medal in 1st Women's Champions Challenge etc are her other achievements as a player as well as a team member. In the year 2011, she took the charge of Indian Women Hockey Team as a Captain. Under her captaincy India won Silver Medal in the International Tri Series at Perth (Australia). For her achievements in sports and making Chhattisgarh proud at National and International level, Chhattisgarh Government appointed her as Deputy Superintendent of Police in the year 2012. At present she is one of the 'Nine Jewels of Chhattisgarh.'

4. Smt. Anjum has received many honours and awards at State and National level including Shahid Rajeev Pandey Award in year 2008 and Gundadhur Award in year 2011 by Chhattisgarh Government; Arjun Award in the year 2013; Madhav Jyoti Alankaran in 2012 and SBI Life Time Achievement Award in 2014 at national level.



श्रीमती सबा अंजुम

श्रीमती सबा अंजुम, बहुत मशहूर महिला हॉकी खिलाड़ी हैं। आप वर्ष, 2011 में भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रहीं। इस समय, आप छत्तीसगढ़ की राज्य-सरकार में उप पुलिस अधीक्षक हैं।

2. आपका जन्म जून 12, 1985 को दुर्ग (छत्तीसगढ़) में हुआ। आपने 12वीं कक्षा तक पढ़ाई की, उसके बाद आप हॉकी के प्रति अपने समर्पण के कारण अपनी पढ़ाई जारी नहीं रख सकीं। आपने महज़ 9 साल की उम्र में ही हॉकी खेलना शुरू कर दिया। अपनी स्कूल टीम की ओर से राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं और राष्ट्रीय स्तर की नेहरु कप प्रतियोगिता में खेलते हुए आपने असाधारण रूप से बहुत अच्छे खेल का प्रदर्शन किया और महज़ 15 साल की उम्र में ही आप भारतीय महिला टीम में चुन ली गईं।

3. राष्ट्रीय टीम में भी आपका खेल-प्रदर्शन बहुत ज़्यादा असरदार रहा है। वर्ष, 2000 में हांगकांग (चीन) में आयोजित 18 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों के पहले ए.एच.एफ. कप में भारतीय टीम ने स्वर्ण पदक जीता। आपने मानचेस्टर में 17वें कॉमनवेल्थ खेलों में और वर्ष, 2004 में दिल्ली में महिला एशिया कप में अपने बहुत अच्छे खेल का प्रदर्शन किया। इन दोनों खेल-प्रतियोगिताओं में भारत ने स्वर्ण पदक जीता। एक खिलाड़ी और टीम के एक सदस्य के रूप में, 18वें कॉमनवेल्थ खेल (2006) में रजत पदक, 15वें एशियाई खेल में कांस्य पदक, 7वें महिला एशिया कप में रजत पदक और पहले महिला चैम्पियन चैलेंज में स्वर्ण पदक जीतना, आपकी अन्य उपलब्धियां रही हैं। वर्ष, 2011 में आपने भारतीय महिला हॉकी टीम के कप्तान का काम सँभाला। आपकी कप्तानी में भारत ने पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) में इन्टरनेशनल ट्राई सीरीज में रजत पदक जीता। खेलों में आपकी उपलब्धियों और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आपके द्वारा छत्तीसगढ़ को गर्व का अनुभव करवाने के फलस्वरूप, छत्तीसगढ़ की राज्य-सरकार ने वर्ष, 2012 में आपको उप पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया। इस समय, आप छत्तीसगढ़ के 'नौ रत्नों' में से एक हैं।

4. आपको राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर, वर्ष, 2008 में शहीद राजीव पाण्डेय पुरस्कार और छत्तीसगढ़ की सरकार द्वारा वर्ष, 2011 में प्रदान किए गए गंडाधर पुरस्कार; वर्ष, 2013 में अर्जुन पुरस्कार; वर्ष, 2012 में माधव ज्योति अलंकरण और राष्ट्रीय स्तर पर स्टेट बैंक ऑव इण्डिया जीवन पर्यन्त उपलब्धि पुरस्कार सहित अनेक सम्मानों और पुरस्कारों से नवाज़ा गया है।